ॐ नमः शिवाय

महिम्नस्तोत्र

सहित

शिवानन्द लहरी

सम्पादक

पं० गोपी नाथ साप्रू भातमरल्ला
सहित काश्मीरी

सर्व अधिकार सुरक्षित

संवत्-वि- २०२२

प्रकाशक_कोहिनूर प्रिन्टिङ्ग प्रेस श्रीनगर

प्रथमबार ५०००

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

महिम्नस्तोत्र

काश्मीरी भाषा में

संपादिक

पंडः गोपी नाथ सपरू "मदन" काश्मीरी

सर्व अधिकार सुरक्षित

मूल्य..... प्रथम संस्करण २०००

संवत २०११

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

महा कैलास भवन

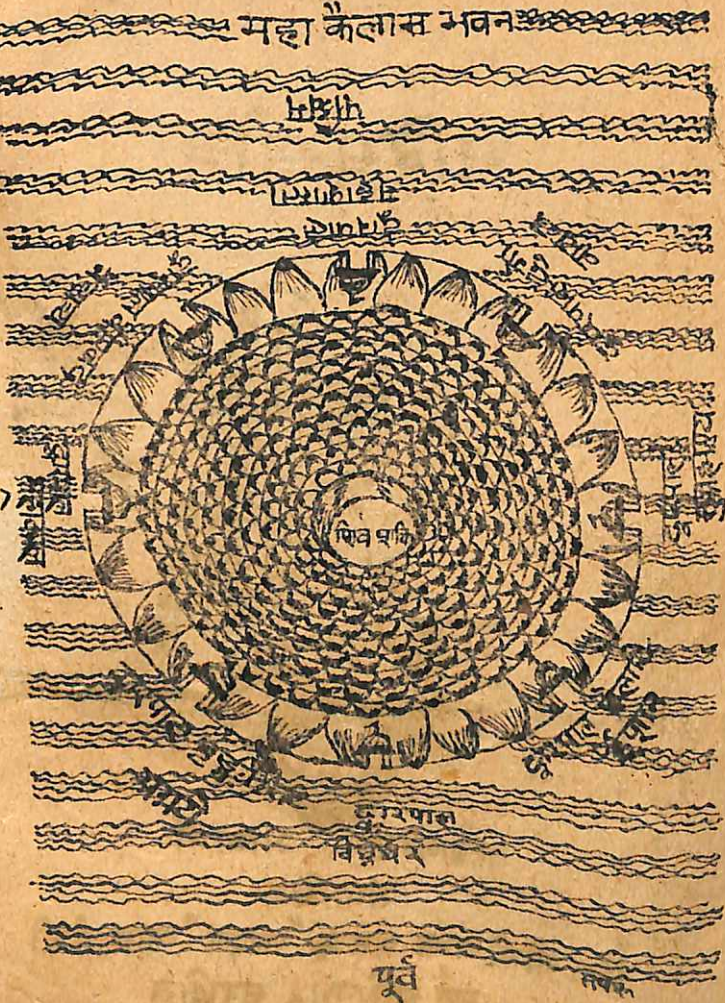

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

महाकैलास स्वयम्भू

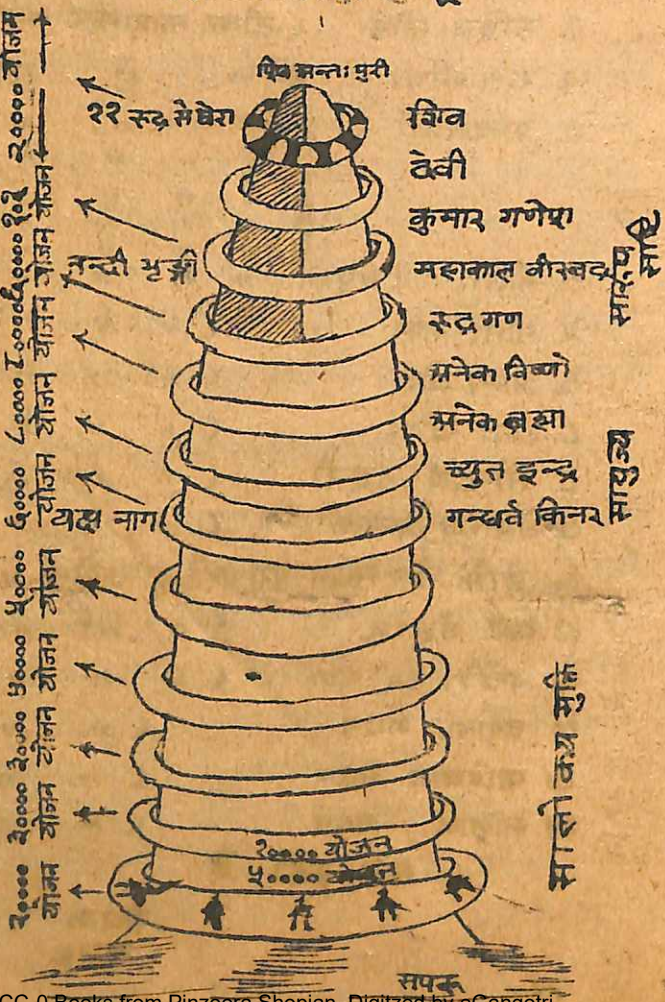

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मदन कविताएं

१. महिम्नः स्तोत्र (टीका काश्मीरी भाषा)
२. राम गीता (,, ,, ,,)
३. पञ्चस्तवी १ भाग ,, ,, ,,)
२ ,, ,, ,, ,,)
३ ,, ,, ,, ,,)
४ ,, ,, ,, ,,)
५ ,, ,, ,, ,,)
४. गीता (संपूरन ,, ,, ,, ,,)
५. गीता सार (,, ,, ,,)
६. आत्म बोध (,, ,, ,,)
७. तत्व बोध (,, ,, ,,)
८. सौन्दर्य लहरी (,, ,, ,,)
९. वैराग्य शतक (,, ,, ,,)
१० शक्ति योग मदन परा शक्ति कुन्डलिनी ,, ,,)
११ दक्ष संहार (,, ,, ,,)
१२ चन्डी १३ भाग (,, ,, ,,)
१३ तराना मदन (,, ,,)
१४ फरियाद मदन (,, ,,)
१५ आज़ाद मदन (,, ,,)

छप रही हैं

सेवक
मदन

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

शिव

शिव का जान लेना शिवकृपा पर ही अवलम्बित है

जिस में सारा जगत शयन करता है। विकार रहित है। अमङ्गल का ह्रास करता है। सुखमय मङ्गल रूप है। जो सारे जगत को अपने अन्दर लीन करते हैं। वे ही करुणा-सागर भगवान शिव हैं। नित्य, सत्य, जगदाधार, विकाररहित, साक्षी स्वरूप हैं। वे ही शिव हैं। उन्ही का वर्णन श्री पुष्पदन्ताचार्य ने शिव-महिम्नस्तोत्र में किया है।

त्रयी साङ्ख्यं योगः पशुपति मतं वैष्णवमिति .....

महासागर रूपी शिव

ही अखण्ड पर-तत्त्व हैं। इन्ही की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं। सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान व्यक्त-अव्यक्त रूप से सगुण ईश्वर निर्गुण ब्रह्म कहे जाते हैं। यही परमात्मा जगदात्मा शम्भव शङ्कर मयस्कर शिव और रुद्र आदि नामों से सम्बोधित हैं।

अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोर घोरतरेभ्यः
सर्वेभ्यः सर्वशर्वेभ्यो नमस्तेऽस्तु रुद्ररूपेभ्यः

सत्वगुणयुक्त होने से अघोर (शान्त) राजस से घोर और तामस होने से घोरतर स्वरूप धारण करते हैं। शिव प्रणव स्वरूप हैं। प्रणव के सिर पर चन्द्रबिन्दु होने के कारण प्रणव चन्द्रशेखर है। इसी से शिव को चन्द्रशेखर कहते हैं। नमः शिवाय (बाकी अगले पृ. २५)

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitized by eGangotri

گوراستوتی

ہی گورہ بو امرت درشنس
پراران چھسے شوبہ درشنس

دیچیا کرومس ست ناوچی شردھادِتم ہرہ ناوچی تمہ کِن بنیم شانتی منس
ترِ تاپہ پروت ناوتم خیوبس میہ من گاش ناوتم تنتاپ تہ دوکھ ژلہم منس
گورہ میانہ پادن تل بیمے لادن میہ چھیم سادمن بیمے وندہ پان بوچیانس آنس
ہیتہ آس زہ گالم موہ ہیم دیشیئ ہندی زامت بیشم سوی شرم ژلیم ہیلہ منس
مرہ کس تہ ماریم کس دیشے آتاچھ کن پرماتمے شوبہ روپہ بیلہ وہ درشنس
آنندروپ پرماتندے تیزہ روپ ژی آنند کندے تیز روپ بھاسکر ناونس
ممایہ زالس منز بوچھس سمتایہ روس موکلاوہ کس پرشارتھ روس منز بھاگ ونس
بیژکال میہ دوتم پراران ست گورہ ونہ چیانہ ژھاران نون نیر یہ دت میہ ناونس
شیرہ پوش بولاگے بھاوکی شانتہ روپ درشن ناوژی دیا بیژھی کرومہ لانس

ही गुरु बु अमर्त वर्षीनस
प्रारान कुमय शुबदर्शनस
दीक्षा करुम सत नावची श्रदा दितम हरु नावची
तमि किन्यबन्यम शांती मनस॥
त्रयि ताप परवय हावतम क्षूबस म्यमन
सन्ताप तू दुःख त्रल्य ह्यम मनस॥
गुरुम्यानि पाद तल प्यमय लादन म्य छम सादन ह्यमय
वन्दु पान बु च्यानिस आसनस॥
ह्यनुआस चू गालुम सुँहबम व्यप्रयन हुन्दुय त्रामुत म्य शम
मुय शुम त्रल्यं इरव यतिक्षनस॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मरि कुस न मारयं कान्ह व्यपय आत्मा कु कुन परमात्मय
प्रूबु रूपु यालि इरव दर्शनस ॥
आनन्द रूप परमानन्दय तीज़ रूप चूय आनन्दकन्दय
तीज़ रूप भास्कर हावनस ॥
ममतायि ज़ालुस मन्ज़ बु कुस समतायि रूस मूकलावि कुस
परशार्थ रूस मूकलावि कुस ॥
यच़काल म्य वोतुम प्रारान सत ग्वरो वतु च्यान्य क़वारान
वुन नेरयि वय म्य हावनस ॥
शोरि पोष बु लागय भावकी शान्त रूप दर्शुन हाव चूय
दया यिच्छूय कर मदनस ॥

शिवस्तुति

नाद आदि छक ओम छक दीगे रासि छक दे शम्भो
दीगे हरतादे छक चोतुर बोज़े योगिशुदे शम्भो
लबो दरे गंगा दरे हरे ज़े छक दीदन हरे शम्भो
दिनायक छक शिव छक अर्दे नारी शुर हरे शम्भो
दुस पापी पापन मुहे ते अन्धकारन हरे शम्भो
ज़म गाम कीत दुलगान तन मे छम ली आछरे शम्भो
अगादमा याचानी मे छम दिनाकेछ तरे शम्भो
[illegible] हरे शम्भो

CC-0. Books from Pinzoora Shoman. Digitzed by eGangotri

اشوک ورکھ بانس منز لیشوپتہ سمازاندہ شمبو
جٹا بیوٹ وٹنتی چھی ڈیکہ چندہ ہر شیشورہ شمبو
اتھن ڈابر شولا ورابھے آیود ہرہ شمبو
تنے سور ملتی چھوی ہتہ زیہ واسک الشیرہ شمبو

چیت آکاشس میانس دیہ شران آس کرگھرہ شمبو
نیبنر منزراؤ یوگک وگد گژہ میون موہ ہرہ شمبو
اگنیان زالتہ دوون زال پرزلون تھاد دم ہرہ شمبو
ژلیم دوکھ سوکھکوی شوک منز زیون یوگشورہ شمبو

دوشون یخ بیہ سوکھ دوکھ تتن تیرن میون گھرہ شمبو
زخم دآیت زیو آس لگ میہ چھیم تنہ مرہ ہرہ شمبو
گژھ ھن یون یتہ گژہ چھیم موکھ تیلہ یلہ وخ ورہ شمبو
کرپا کرژی دیا الوگر تک چھم آسرہ شمبو

دزان چے تن من سے دتہ ژہ دزشون ساگرہ شمبو
چھیے اورت پراران چھنہ ژیہ نش کاتیہ شیرہ شمبو
اگنیان کام کرودہ لوبھ موہ ژٹ میہ لندکاری زرشمبو
بنتہ ہمساؤ دوون تھوتہ مولس پیٹھ پرہ شمبو

शिव स्तुति

(१) अनाद आद हुक ॐ हुक व्यगरण राजस हुक वर शम्भो
व्यगरण हरता दय हुक चतुर चुनु योगी श्वर शम्भो
लम्बोदरु गंगाधर हर चू हुक वीदन पर शम्भो
विनायक कुमार शिव हुक अर्धनारीश्वर शम्भो॥

CC-0. Books from Pinzora Shopian. Digitized by eGangotri

वुलुस पापी पापन मुँह तू अन्दकारन हरु शम्भो
ज़न्म गाम कूत्य वुलगान तनु म्य कुमयी आश्रु शम्भो
अगाद माया च्यानी सुमि बठि विनाक्यय तरु शम्भो
दयाये च्याने सूत्य गच्छ दयि बू ओरुत्त परु शम्भो॥

अशोक वृक्ष बागस मन्ज़ पशपतु समांज़ अन्दरु शम्भो
जटा जूट वटियूय छी ब्यकि चन्द्र हरशीश्वर शम्भो
अथन डाबुर शूला वरु अबय आयुद हरु शम्भो
तने सूर आलियूय कुय हटि च्यवासुक ईश्वरु शम्भो॥

च्यय आकाशस म्यानिस दवि पारन आस घरु शम्भो
न्यत्र मुचुरांव योगुक दगद गच्छि म्योन मुँह हरशम्भो
अगन्यान ज़ालिथ दून्य ज़ास प्रज़ल वन्य धाव दिमवरु शम्भो
अत्यं दुख सुखकुय शूक मरुन ज़्युन योगीश्वर शम्भो

वुशुन यरव ब्यायि सुख दुख ततुन नूरुन म्योन वर शम्भो
ज़नम दारिथ ज़ीन आस लग म्य छ्यं तनु मरु मरु शम्भो
गच्छुन यन यित गच्छ छ्यं सुकाल त्यालि वलि दिखवर शम्भो
कृपा कर सूय दया अनुगृहुक कुम आस तु शम्भो॥

दज़ान छ्यं तन म्य दित्त बू दर्पुन सागर शम्भो
कुसय ओरुत प्रारान छुनु च्यं निश क्यन्हमाश्वर शम्भो

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मगन्यान काम क्रोधलोभ मुँह चढ म्यमन्दकारुक ज़र
वनिथ हंसा वुडवोन थवत् मदनस प्यठ पर प्रम्मा॥

(०)

سو چھند بٹارک میان

آدھار زگنگ پہ کن چھو منتر
شوا پہ نمہ اوم نمہ شوائے

ترپنچ نیتو ہا آدِ دیوو
جٹا موکلہ گنڈ تھی ژہ شیوو

پہ زیرہ بم ببون سو بوزنا ئے
ژہ نیلہ کنٹھ جٹن چھیہ گنگا
ژہ موخہ دایک گوسون سنگا

الخ اگو چر ژہ من گو فائے

بہت چھیہ اوما ژہ سیت نائے ولت ژہ سرپن ہندی دوشائے
سہسرہ سوریہ تیز ژہ منز چھائے

وزل بچن ہنز ژھنت ژھائے ہٹس ژہ یونے چھو ناگ کائے
چھو گھور روپ چون سیتم دیائے

انھن ژہ ڈابر ژہ بین وایان رٹت ژہ منڈ چھک ترشول لایان
ژہ ور ایتے چھک دوان بھائے

رٹت ژہ انگوش کھڑگ نہ دورت خٹوانگ پاش بیپ پورش دورت
وجر نہ ڈنڈ مودگرج ژہ مائے

ولتھ ژہ سہ ژم ژھنت گرہ ژم ژہ اشٹادشہ بوزوزان ژہ سوہم
نمامہ ہم توام اگھور کائے

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

بھوایہ دیوو شروایہ دیوو بھیمایہ دیوو سوران ژیہ زیوو
چھہ دیو روزان ژیہ سیو کائے
اسار سودرس میہ نارہ نارُم زپا ازپ گائیتری میہ یارُم
روئس بو کرمن تہ واسنائے
امر بنادُم تہ پاپ نادُم شِوو شِوارن میہ شِو بنادُم
ژہ ناشہ توشِ یہ یہم دیائے
مَت بو پانے گناہ چانے سروپ چیونوی ژو پآزانے
شردھانہ بھگتی دُرم دیائے

सुच्छन्द भटारक ध्यान

च्यपन्च न्यनो ह्य आदि देवो जटामुकुट गन्डिपूय चू शिदो
यि ज़ीरु बम म्योन सु बोज़िनाये।
च्य नील कण्ठो ज्यटन छ्य गंगा चू मूक्षदायक गूसोत्र नंगा
अलरवम घोचन चू मन गूफाये।
वि हित च्य उमा च्य सूय नाग्य वहित च्य सर्पन हुन्दुय दुशालय
सहस्र सूर्य तीज़ च्य मन्ज़ ज्यटाय।
बुज़ूल बिचन हन्ज़ छ्नित माग्य इटि च्य योन्ये कु नागकालय
कु घोर रूप च्योन यितम दयाये॥
अयन च्य डाबुर चू बीन नायान रटिय मुन्ड कुरव त्रशूल लायान
चू वरअभय कुरव दितान यच्छाये॥
रटिय चू मन्कुरय मन्दग हो मय खटांग पाशा पूर्ष हो कुय

CC-0 Books from Pimdora Shopian. Digitized by eGangotri

वज्र तू दन्ड मुद्गरच्य माये॥
वजिथ च्य मूहु नं छनिथ गन्ड नं मूमशाठशबुज़ बनान मोऽहं
नमामि हं त्वां अघोरकाये॥
भवाय देवो शर्वाय देवो भीमाय देवो सुरान च्य ज़ीवो
छि दीव रोज़ान च्य सीवकाये॥
असमर मुद्दस्स म्य तारु तारुम ज़ाप अज़प गायत्री म्य यारुम
बुद्दुम बु कर्मण तू वासनाये॥
असमर बनावुम तू पाप नावुम शिवो शिवार्पन म्य शिव बनावुम
बु अशतोश यलि यिहं दयाये॥
"मदन" बु पानय कटाक्ष च्यान मुरूप च्योनुय बु परिज़ाने
शर्द तू भक्ति वरुम दयाये॥

ओम नमः शिवाय

ओ माये ठ्ठ गरजा पनु भावनाये
छमा करुम ठ्ठ हरु दम दरमेदयाये

ओंकार रूप ठ्ठ वेशा नरूप ओंकार ओंकार रूप गुन तरे चोनुवी चोवुवेशार

ओम बेरठ्ठी चेक हरु पेवु ओम

निरगुन नरंजन निरुगुन निरआदमार निशचल तन निश पाप निरुकार निरआकार

न कारु नसपन्द हरु ओम शिवाये

महादेव महाकुत महाभूत महादमार महा गुरु महा काल महायोग पार

न कारु रूप हरु बोपरु ओम शिवाये

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

واہن ورشب چھوی ژی ولیشوآدھار ولیشیشور ولشمبر ویگنہ ہرتار
وکارہ روست چھک ہروپرہ اوم شوائے
یگ روپ یگن ژی ژی یگن آدھار بیندوژیہ ڈیکہ چھوی واسک ھیٹہ مار
یکارہ روپ بیژکال پرہ اوم شوائے
ازاتلن سمبر دتہ گیان بندموھہ دربار نتہ بھاؤ تہ بھگتی سوودوآن تہ زیار
ولیتال روپ ہردیم پرہ اوم شوائے
بیژکول چھیئے بوبرتل چھم پتہ موین نار کارا گرکہ بھیئے لش اتھ روٹ کرنتہ تار
دتہ دھام سپنون تہ ژلہ غم پرہ اوم شوائے
اورت چھیئے بوبیومت بھوہ سرہ دتم تار اگنیان ژٹت تہ دتہ گیان سوی دم ولیتار
ونس ژہ کرنژھ دیا پرہ اوم شوائے

ॐ नमः शिवाय
उमापते म्य ग्यरिजापत भावनाये
क्षमा करुम म्य हर हिमवरम्य दयाये
उमकार रूप वैश्वानर रूप उमकार
उमकार रूप ग्रुरा च्यच्योनुक्तु व्यसतार
ओंबीज़ चूयनुक हरो परुॐ शिवाय॥
न्यरगुरा न्यरन्जने न्यरन्यगरा न्यराधार
न्यश्चलत् न्यशपाप न्यरविकार न्यराकार
नकार रूप न्यस्पन्द परुॐ शिवाये॥
महादेव महावक्रात महाघोर महाकाल
महाभूत महाकाल महायो महापार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मकार रूप हर नाम परुँ शिवाय॥

शुद्ध बुध शुद्धात्मा शुद्धशान्तमाकार
शुंशानवासी शुद्ध च्यत शीतमाकार
शम्भु रूप शर्वो परुँ शिवाये॥

वाहन वृषभ कृय चूम व्यक्षमादार
व्यक्षीधरव्यक्षम्बर व्यगण हरतार
व्यकारु रुस्त कुक हरो परुँ शिवाय॥

यज्ञ रूप यज्ञ चूय चूय यज्ञमादार
यन्दो च्यु ऋकि कुय नासुक च्य हरिहार
यकार रूप कुक हरो परुँ शिवाय॥

ज़ामलुन म्य दित वनि मूक्ष दरबार
नतु भाव तू भक्ति सूदवांत्र सून्ज़य कार
व्यप्राल रूप हरु यिम परुँ शिवाय॥

यच़ कोल कुमय बू बरतल कुम पत मुँहुन नार
कारागृह कय भयि निरा मयुँ रुटं कीय ता
दित धाम पनुन तू ज़ल्य गम परुँ शिवा

मोरुत कुमय बू प्योमुत भव सरु दितम तार
मज्ञान ज़टिय तू दित ज्ञान सूय दिम व्यस्तार
मदनांस चूकर यिच्छ दया परुँ शिवाय॥

(०)

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

प्रणव वेद का बीज़ मन्त्र है। ऋग, साम, यजुर्वेद से अ, उ, म, लेकर प्रणव बना है। इस लिये चन्द्रशेखर शिव महामान्य, परमपवित्र, परमाराध्य है॥

ॐ नमः शिवाय॥

(सपरन)

नोट

श्री शङ्कराचार्यकृत शिवानन्द लहरी भी इसी महिम्नस्तोत्र पुस्तक के साथ भाषा टीका काश्मीरी में विरचित है॥ महिम्नस्तोत्र उसी तरज़ में है कि जि तरह श्लोक है। सिर्फ लीला का तरज़ हकरी है जो हर दो श्लोक के साथ साथ नीचे है॥ कृपा करके कोई त्रुटी हो माफ करें। केवल भक्ति का नमोना है॥

"मदन"

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ॐ

महिम्नः पारंते परमविदुषो यद्यसदृशी
स्तुतिर्ब्रह्मादीनामपि तदवसन्नास्त्वयि गिरः
अथावाच्यः सर्वः स्वमति परिणामावधि गृणन्
ममाप्येष स्तोत्रे हर निरपवादः परिकरः ॥२॥

महिमाय च्यानि कुन् पर बडि व्यद्यादर ती छिन् लवान
ब्रह्मा ईत्य देवता मन्दत् बुर च्यानुय छिन् लवान
मगर यिछ्ह तिछ्ह पूजा कर् तिव पनन्यव बुज़वसान
तवांय बुति कर् पूजा हर् ! ब् सोयकार कर् म्य यिछ्ह ज़ान्

अतीतः पंथानं तव च महिमा वाङ्मनसयो
रतद्व्यावृत्त्या यं चकितमभिधत्ते श्रुतिरपि
स कस्य स्तोतव्यः कतिविधगुणः कस्य विषयः
पदे त्वर्वाचीने पतति न मनः कस्य न वचः ॥२॥

अदर्ट वाख हुख मन् हुख तमि ति पर हुख वीदसर हुख
गुनातीत शून्यातीत लुबुखन् यलि साकार् हर् हुख
यि च्यय मारिय तन दिय सुरिय ध्याना वन् ब् महिमा
युयुय ध्याना दांरिय हर् ! ब् भक्तिन मूख प्रद हुख ॥

سوره موت شیاس بوزِ زار پار
یوگه دهارنا پیه ساخیات کار
ویده وت نه برهاچهنه لبان پار توته پوز کرتے بودهه انو سار
توای کره بوته پوز کرو شو پسکار
اورشٹ چھک واخ من ویده مرچھک توبهنه ثیله نه ساکار یله هره چھک
دهانه دهارنا یه چھک موچھ کار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

مہما یہ چیانہ چھنہ پار بڈ دیو ھیا دھرتی چھنہ لبان
برہما بیہ دیونا ایت اندتہ بور چھونوی چھنہ لبان
گریژھ تژھ پوزا کرہ تمو پننیو بوزو سان
توآی کرہ بوتہ پوزا ہرہ اژہ سویکار کرمیہ چھنہ گیان

ادرشٹ واخ چھک من چھک تمہ پرہ چھک دیدہ سرچھک
گناتیت شونیاتیت لوکنہ بیلہ ساخیات ہرہ چھک
یہ چیت مارتہ تن دتہ سورتہ دھیانا کرہ بوہما
بیتھوی دھیانا دارتہ ہرہ ژہ بختین موضہ پرو چھک

सुरु मुत सन्यास बोलिजारपार
योगु ज्ञानायि यियि साक्षात्कार

वीदुवयतू ब्रह्मा छिन लबान पार तोति पूज करहय बधि सानुसार
तवाय करु बृति पूज करु सोयकार
मतष्ट कुख मन वाख वीदसर कुख ब्रबु खनु ल्यालि ति साकार वालिहर कुख
ध्यान आसाय कुख मूद्रीकार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मधोस्तीतावाक्यं परमममृतं निर्मितवतः
तवब्रह्मन्किंवागपिसुरगुरोर्विस्मयपदम्
मभत्वैतावाणी गुणकथनपुण्येन भवतः
पुनामीत्यर्थेऽस्मिन्पुरमथनबुद्धिर्व्यवसिता॥३॥

ह्यू ब्रह्मन सर्व उत्तम ह्युदुर माँछ वानी ह्यू पानय
बृहस्पत भट वनि क्या यलि ह्यू वांनी बीज़ पानय
पन्यत्र कुस वानी बुति करान वन्य वन्य यि महिमा
बुद्धी कर्य निश्चय कर्ब तोता च्यांन्य पानय

त्वैश्वर्यं यत्तज्जगदुदयरक्षाप्रलयकृत्
त्रयी वस्तु व्यस्तं तिसृषु गुणभिन्नासुतनुषु
अभव्यानामस्मिन्वरदरमणीयामरमणीं
विहन्तुं व्याक्रोशीं विदधतइहैकेजडधियः॥४॥

छि वरदायनु क्यन्य मूड खन्डन ऐश्वर्य करनस ह्यडान
वनान क्यस पठिय उत्पन्न ब्यायि रक्षान पत्नाप्रास करान
मु किछ ह्यस ऐश्वर्य ह्युस्य वीदन तत्त्व ज्ञाहिया
मत रन्न तम यलि दारान त्यलि मु मुरा ऐश्वर्य किछ यवान

اوتم برہمن مندر ہانچھ وآنی واخ بیز چھک برسپت نازآنی
بودھی کن گون چیان دمہ ولیتار
موڑہ کیازانہ چون اشیرہ گیان کس نہ کیوتھ سنتے تس اوپران
گونہ شے آست گونہ نش پار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۳. ژہ برہمن سرؤہ اوتم مدر پانچھ وانی ژد پلنے
برہسپت اوہ وِنہ کیا پیلہ ژہ وانی بیز پانے
پوبتر چھس وانی پوتہ کران وِن وِن یہ ہما
بودھی کورسیے نشچے کرہ بوتو تاچیان پانے

۴. چھ ورد ائینہ! اکینہ موٚر کھڈٕن الیشوری کرنس پیدان
وٚان کیتھ پاٹھ اوتین بیدرچیان بتہ ناشس کرن
سوکزہ چھیس الیشورے یوسہ چھیہ ویدن تتو ہما
ست رج تم بیلہ دھاران تیلہ سوگونہ الیشوری کزہ تھوان

उत्तम ब्रह्मन मुद्दर पांच वानी बाखवीज़ बृहस्पत ना ज़ानानी
बुद्धी किन्य गुण च्यान्य दिमु व्यस्तार ॥
मूडु क्या ज्ञान्य च्योन ईश्वरु यान कुसतू क्यूथ संशय तसऽपदान
गुणमय भासिथ गुण निश पार ॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

किमीहः किंकायः स खलु किमुपायस्त्रिभुवनं
किमाधारो धाता सृजति किमुपादान इति च
अतर्क्यैश्वर्ये त्वय्यनवसरदुःस्थो हतधियः
कुतर्कोऽयं कांश्चिन्मुखरयति मोहाय जगतः॥

वनान न्यस्त्रय पाद्यवनकाति विद्धाता कयथ दिह्यवान
छु कामि योत्ती कयथ पाद्य कयथ बयलोकियि उत्पनकरान
अगाढ़ ऐश्वर्ये सूत्य तरक डलि ज़ानिख ना महिमा
बुद्धी हीन मीमांसक मुँहुच्य कयु कर्यकर्य मुँहकरान

अजन्मानो लोकाः किमवयववन्तोऽपि जगतां
अधिष्ठातारं किं भवविधिरनादृत्य भवति
अनीशो वा कुर्याद्भुवनजनने कः परिकरो
यतो मन्दास्त्वां प्रत्यमरवर संशेरत इमे॥ ४

अज़न्मा छालोक हरु! छुनु यिमन कान्ह ज़न्म दिनु बोल
न मानिथ संसार विधि बनान क्या मानिथ न स्यती बोल
च्य वुस्त उत्पति मानव क्रस मु सामग्री यथ यि महिमा
तिथय च्यानिसम्मासनस मुड़ बुद्धी संशय करन बोल

گیوتھ تکت نشیو ونہ انسان نڑیوک کیتھ کن اوپداوان
میانک ڈلان چھک ہوہ نار
زنہ روست لوک چھ اوپرن ژے روست پیدہ اوہ کس کران
موڑن چھوسنے امیوک بابار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

وَنان نشچے پاٹھ وَن کتہ ویدھا تا کیوتھ دِھ تھوان
چھ کمہ یوشتی کیتھ پاٹھ سیتھ ترو کیہ اوتپن کران
اگاد اَکشورے سیت ترک ڈلہ زانتہ مہما
بودھی ہین میانلک موہ چہ کتھ کر کرہوہ کران

اجنا لوک چھا ہرہ چھنہ یمن کانہہ جنم دنہ وول
نہ مانت سمارہ ویدھی بنان کیا مانت نہ تھتی وو
ثریہ روست اوتھین مانو کوسہ شو ساگری یت نہ مہما
تیتھے چیا آلس آنش موٹرہ بودھی سشے کرن ول

क्यूथ कव न्यथ्य वनि ग्रहान वनि ग्यलोक क्यथू पोंछ्य उपदावा
मीमांसक उलान कुरव मुँह नार
ज़न्मु रुस्त लोक छा छिनु उपदान ग्यय बुस्त पोंदु मदु कुसकरान
मूडन कु सैपुय ग्रम्यूक बारबार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

श्री सांख्यं योगः पशुपतमतं वैष्णवमिति
प्रभिन्ने प्रस्थाने परमिदमदः पथ्यमिति च
रुचीनां वैचित्र्यादृजुकुटिलनानापथजुषां
नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव ॥७॥

अवीद सांख योग शास्त्र परिय वष्णव मत नू कुन कुरव
अनेक मत दारुवुनिये तिमन सु मत यत्र प्रयिवुन कुरव
स्यज़न हन्यन वतु नूय तिमन छि ज़ानान तथ छा महिमा
कुनुय कुरव कुन्य वथ नूय वुलन नदियन सागुरन् कुरव॥

महोक्षः खट्वांगं परशुरजिनं भस्म फणिनः
कपालं चेतीयत्तव वरद तंत्रोपकरणम्
सुरास्तां तामृद्धिं दधति तु भवद्भ्रूप्रणिहितां
नहि स्वात्मारामं विषयमृगतृष्णा भ्रमयति ॥ ८ ॥

वालिय गज़ु चं तनि कुरव आथि खट्वांग परशु नू हाथ कुरव
मज़िथ भस्मा नांल्य नाग आथि कपाल वृषभ वाहन नू कुरव
अकी स्यानु प्रसाद सूत्य रिद्धु नू सिद्धु लवान छि महिमा
नू पानांय रूप पनुनुय विषय मृग तृशनाथि पर कुरव

ثیک سانکھ یوگ و شیومت سارلی وتن چھ چایی ست
کن چھک شیزہ ہیچہ وتری تار
گزہ ژم وتھ خوانگ پرشاپیتھ تال ناگ کپال اتھ برشس کیتھ
چھک زہ پان پانہ پانہ شوا آکار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۷. ترویدِ سانکھ یوگ شاستر پرت وشیشہ مت ژہ کُن چھک
انیک مت دارونے تمن سومت یژ پریہ وُن چھک
سیزن ہمن وتنی تم چھیہ زانان تت چھیہ مہما
کنوی چھک کنِ وت ژی کولن ندین آگر ژہ چھک

۸. ولِت گزہ ژم تنہ چھک اتھ ضوانگ پرشاہیتھ چھک
طِلت لبما نال ناگ اتھ کپال ورشب واہن ژہ چھک
اکی خینہ پرسادہ سیت ریدنہ سیدھ لبان چھیہ مہما
ژہ پانے روُب پننوی ویشنے مرگہ ترشنا پہ چھک

वेदक सांख्य यो वैष्णो मत सारिन्यू मतन छ्य च्यान्य सत
कुन कुख स्यज़ि वाति ज़्य तार
गज़ु ज़ु वलिथ रवद्वाग परणा ह्यथ नील भाग कपाल बृषभ्रा क
कुख ज़ु पान्य पानु पानय शिवाकार

CC-0. Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ध्रुवं कश्चित्सर्वं सकलमपरस्त्वध्रुवमिदं
परो ध्रौव्याध्रौव्ये जगति गदतिव्यस्तविषये
समस्तेऽप्येतस्मिन् पुरमथनतैर्विस्मित इव
स्तुवन्जिह्रेमि त्वां न खलु ननु धृष्टा मुखरता॥

वुकान क्यन्ह न्यत्य दर्शीन सुदु वनान जगतस कु अविनाश:
वनान क्यन्ह नाशवान कुय क्यन्ह वनान नाशवान तू अविनाश
लज्जये सूत्य बूजिथ कुस न ह्यकान करिथ महिमा
वनख त्यल्य मोकर पूज़ पुमुक्तू! करूती म्य छ्यन आश॥

तवैश्वर्यं यत्नाद्यदुपरिविरिंचो हरिरधः
परिच्छेत्तुं यातावनलमनलस्कंधवपुषः
ततो भक्तिश्रद्धाभरगुरुगृणद्भ्यां गिरिशयत्
स्वयं तस्थे ताभ्यां तव किमनुवृत्तिर्न फलति॥

यतन क्रार ब्रह्माहन रवुत सु आकाश मेनन बु शिव
तिबय पाद्य न्नथ व्यषाणो बुछिनि पाताल च्यान चस शिव
थकिथ गय द्वनवय चूर लुबुरवन् पय लंग्य करनि महिमा
प्रसन गोख सारवयाथ न्नन बुछुख सीवायि किन्य शिव ॥

کینہ ونان نینہ زگہ کینہ انینہ کینہ ونان ناشوان اوناش کینہ
امہ کتھ بوزت چھس شرسار
برہما اکماش خوت وچھنے ولیتو پانال ودتھ مینے
چھور گوخ تھک کیت بوہیئے نہ پار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

९ وُچھان کانہہ چون درشون سُو چھو وان زگتس چُھو اوناش
وان کینہہ ناشوان چھُوی کینہہ وان ناشہ وان تہ اوناش
نزایے سیت بُوزت چھُس نہ ہیکان ونت مہا
ونہ تیلہ موکر پُوز پرموختہ ! کرہ تی میہ چھیم آہش

۱۰ یُتس کور برہماہن خوت سُو آکاش مینس بو شِو
تنفے پآٹھ ووکھ ولیتو ووچھنہ پاتال چیان چرن شو
تھکت گئے دونوئے چُور لوبُخنہ پے لگ کرنہ مہا
پرسن گوھ ساخیات نون وُچھک سِوایہ کِن شو

क्यन्ह वनान ज़ग्य न्यत्य क्यन्ह म्रन्यत्य
क्यन्ह वनान नशवान म्रविनाश क्यन्ह
यिम् कथ् बूज़ि थ छुस शर्मसार
ब्रह्मा म्राकाश स्वत बुद्धने
यषणो पाल बुय मेननने
चूर गोरव थंक्य कत्य लूबहयन पार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

अयत्नादासाद्य त्रिभुवनमवैरव्यतिकरं
दशास्यो यद्बाहूनभृतरणकंडूपरवशान्।
शिरःपद्मश्रेणीरचितचरणाम्भोरुहबलेः
स्थिरायास्त्वद्भक्तेस्त्रिपुरविमृदानीतिमिदम्॥

यतन बुन्त प्रोव रावनन चपुरुहर! च्यभुवन रय्यन मन्ज़ी
भुज़ा प्राव्यन कल कुल्य तिम च्य तंम्म लाग्य पोवच्य
वमय कल लाग्य लागी करनि लुग शिव च्यांन महिमा
पचल भक्ती च्यांने मनु प्रभावलु भनय रय्यन मन्ज़ी

अमथ्नत्वत्सेवा समधिगतसारं भुजवनं
बलात्कैलासेपि त्वदधिगतसारं भुजवनं
अलभ्यपातालेऽप्यलसचलितांगुष्ठशिरसि
प्रतिष्ठात्वय्यासीद्ध्रुवमुपचितो मुह्यतिरवः॥

करिय सीवा रावणान भुज़ बल लुबुन कुत अतुल बल
तमे बलु कैलासस तुलनि लुग हे दीन वत्सल
खुरकि च्योठु नमु च्यलु सूत्य तल मु गवलुग करनि महिमा
यि गव ती ज़ीन गुर्य सुन्द यिम खरस थावन ह्यपफल॥

بھکت کن راون نرو کلہ کیت پراون لاگئے پوتن سیت
تمی سیت لوب تم بوڈ دربار
بل مرو وراونن لگ نرتلن نرو ہ ٹھا سیت تل لگ ڈرلے
گر سند زین چافرس شوبدار

CC-0.Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۱۱. ئیتن روست پرووراوِن زیوره ہرہ اتر بھون خینہ منزی
بوزا براوِن کلہ کیت تم ژیہ تم لاگ پوشچہ گرنزی
تمے کلہ لاگ لاگی کرنہ لوگ شوہ چیانِ مہما
اچل بھکتی چیانے من پربھاؤ بوبنئے خینہ منزی

۱۲. کرتھ ہیوار اوِن بوزہ بل لوبن کوت آتل بل
تمی بل کیلاسس تلنہ لوگ ہے دینہ و تسل
خورکہ نیوھ ٹمہ ژیلہ بیت تل سوگوگ کرنہ مہما
پہ گوتی رین گورسند بیتھ فرس تھاوِن چھو نشل

भक्ति किन्य रावनन नरिकाल कूत्य प्रावि नलोम्यनय पोषन मूत्य
तमी मूत्य लूब तमि बूड दरबार
बल प्रोव रानन नन बूग य तुस्ने चोठ च्यल मूत्य लूग तल ऊलने
गरि मुन्द जीन का रवरस पोविदार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

यदृद्धिं सुतास्ते वरद परमोच्चैरपि सती-
मधश्चक्रे बाणः परिजनविधेयत्रिभुवनः
न तच्चित्रं तस्मिन् वरिवसि तरित्वच्चरणयोर्न
कस्याप्युन्नत्यै भवति शिरसस्त्वय्यवनतिः॥

द्यावाना सूरूसूय करूथ यल्य वरदायक शिवो
पुन्द्र सून्दि रवृत् थूद पद भत्तय किन्य द्यूत्यस हरू शिवो
रटिय ईकागर च्यांन चरन तमिची व्यास यि महिमा
तमिस छुनू वयन्ह आश्चर युस नमी चरनन तल् शिवो

प्रकाण्ड ब्रह्माण्डक्षयचकितदेवासुरकृपा-
विधेयस्यासीद्यस्त्रिनयनविषं संहृतवतः।
सकल्माषः कण्ठे तव न कुरुते न श्रियमहो-
विकारोऽपि श्लाघ्यो भवनभय भङ्गव्यसिनना॥

प्रमय वुस ब्रह्माण्डस वुकुरव ह्योतनय नाशस गच्छोन
स्यठा रवूच्य मूत्य दीवता कुयि च्य प्रसन्न अनुग्रह करोन
ज़हर च्यथ च्येलोचन हटि च्य दाग तथ कूच महिमा
चमत्कार लूक भयि कूय कुयि विकार प्रशस्तो त्यन परोन

दयाचान भानासूरी बंदरे बदी लोन आशेर सूरी
बेमेरिट पादचान सूरी मंगार
सेमेरूस बरहाण्ड गरजनेत दलूव दूप असरन बंदूवे
जहर चूत पानस चूचकार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۱۳. دیا بھانا سورسی کرتھ ژے وردائیک شوو
یندرہ سندرہ خونہ تھود پدیکت کن دیوتنس ہرہ شوو
رٹت ایکاگرہ چیان چرن تچی چھے یہ ہما
تمس چھنہ کنہہ آشچریس نمی چرن تل شوو

۱۴. سمے روس برہمانڈس وچھک ہیوتنے ناش گژھون
سیٹھا خوژمت دیوتا چھو یہ ژیہ اسرن انوگرہ کرون
زہرچیت نرلوچن! ھیٹہ ژیہ داغ تتھ کیژ ہما
چتکار لوکہ بھیہ کوسی چھو وکارا ستوتین پرون

दया ध्यान भाना सूरसूय
ऐन्द्र पदवी त्रुत्रुन अश्वसुय
यमि रटि पाद ध्यानसुय सूरवतार
समय रस ब्रह्मानन्द लग गङ्गनि रत्याय
दीनव त्रुन असरन दिथि विजय
ज़हर ध्योय पानस कु चमत्कार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

असिद्धार्था नैव क्वचिदपि सदेवासुरनरे
निवर्तन्ते नित्यं जगति जयिनो यस्य विशिखा
स पश्यन्नीशत्वां गिरिसुतासाधारणमभूत
स्मरः स्मर्तव्यात्मा नहि वशिषु पथ्यः परिभवः

मुकामदीव यम्यसून्द कान ज़गत दीव पसरन छिज़ेनान
तमी कामन ज़ोनुरव नू मरव सामानि दीव भगवान
भस्म गव तस तंतियूय यि मनज़ानस च्यानस्य महिमा
ज़्यातिन्द्रय महादीवो! मनादरुस च्यान किन्य यि फलजान

महीपादाघाताद्व्रजति सहसा संशयपदम
पदं विष्णोर्भ्राम्यद्भुजपरिघरुग्णग्रहगणम
मुहुर्द्यौर्दौस्थ्यं यात्यनिभृतजटाताडितटा
जगद्रक्षायै त्वं नटसि ननु वामैव विभुता॥

ज़गथ रक्षाये किन्य यलि नू भगवान तान्डव करान
भुज़ा उीशिय ग्रह रूनूय पद छि पृथ्वीयि संशय करान
जटाये किन्य चन्चल मूर्ग गव कय च्यानि महिमा
बज्यर च्योन ह्वल कोता कुन यि फिकिये ज़ाह असि तरान॥

کامن زہ زونہ لہ سامانہ دیو سورہ ڈیر کور تھس گونہ سیزیو
کرہ یس انادر گژھ سوی خار
تانڈو کورتھ زگرزاؤ کوت بھے گرہ گن۔ سورگ۔ پرتھویہ زون
چیا [illegible]

CC-0 Books from Bijbroara Shopian. Digitized by eGangotri

۱۵. ستو کامدیو یمندکان زگت دِیو اسرن چھ زینان
تمی کامن زوخ ژہ اَخ وِیو سامانہِ بھگوان
بسم گوٗ تس نتھی یہ اَن زآن چیانے چھیہ مہما
زتیندرے مہادیوو! اناورس چیانِ کِن یہ پھیل جان

۱۶. زگت رکھیاے کِن بیلہِ ژہ بھگوان تانڈو کران
بوزا ڈلیتِ گرہ ٹوٗر پدچھ پرتھویہ سنتے کران
جٹائے کِن چنچل سورگ گوٗ چھے چیانِ مہما
بھرچون ہول کوتاہ چھُنہ یہ فکرے زاہ اسہ ایوان

कामन ज़ू ज़ोनुख सामानि टीव
सूर डेर क्रर यस गवना स्यज़ीव
करि युसमनादर गछि सुयखार
तान्डव क्रुय ज़ागि ज़ाव कुत बय
ग्रह गण स्वर्ग पृथिवियि ज़ोन खय
च्यानि बजरुक कुन बुद्धे व्यस्तार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

वियद्व्यापी तारागणगुणितफेनोद्गमरुचिः
प्रवाहो वार्यां यः पृषतलघुदृष्टः शिरसि ते
जगद्द्वीपाकारं जलधिवलयं तेन कृतमि-
त्यनेनैवोन्नेयं धृतमहिम दिव्यं तव वपुः॥ १७॥

छ्य तारागन रूपी जल प्रवाह मरव फयूर छ्य ज्यटि मन्ज़
ममी फयरि कृय मागर ज़गथ मरव दीप ह्यू छु मथ मन्ज़
मवांय धृत महिम कुरव धृत महिम धारी छ्य महिमा
युहय कारण ज़ानुन मि पारी रुक गछि कारुन मन्ज़

रथः क्षोणी यन्ता शतधृतिरगेन्द्रो धनुरथो
रथाङ्गे चन्द्रार्कौ रथचरणपाणिः शर इति
दिधक्षोस्ते कोऽयं त्रिपुरतृणमाडम्बरविधि-
र्विधेयैः क्रीडन्त्यो न खलु परतन्त्राः प्रभुधियः॥

छ्यपुर रूपु थासु ज़ालवून्य छ्य यिछ सांग्री क्या छुयि करोन
पृथ्वी रथ ब्रह्मा सार्थी धनुश हीमाल कान विष्णु छ्योन
सूर्य चन्द्रम हगरूय दिन्नूय तिमनूय यिछ छ्य महिमा
छि सामर्थवान पन्निपांव्य गिन्दान गिन्दनस वश करुवोन॥

ست سودر جیٹھ پرتھوی ہنداو پائی شوی نرل پرتھوی ہنداو پائی
شوی نرو پ لم تم لیس چھ گنگ دار
رتھ پرتھوی برہما رتھ بان شوریہ چندرمہ ھگر ولشنو کان
نزلو رادہ مور تھن یہ چھوجون کار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۱۷. چھ تارا گن رُوپی جل پرواہ اَخ فیُور ژیہ جیہٕ منز
تہی فیرہِ کوی ساگر جگت اَخ دیپ ہیو چھوانھ منز
اوآی دھرت ہم چھک دھرت ہم دھاری ژیہ مہما
یوسے کارن زالون امہ شریُرک گژھ کرُن سنز

۱۸. ترنیور رُوپ گھاسہ زالونہٕ ژیہ بیژھ ساگریہ کیا چھویہ کرون
پرتھوی رتھ۔ برہما سارتھی دھنش ہیمال کان دلیش چون
سوُریہ چندرمہ ھگری دژتھ تمنی بیژھ ژیہ مہما
چھ سا سرتھ وان بیز پاٹھ گندان گندلس وش کرون

सत सूदर ज्यटि हून्दि ज़ल बचाय
सूय ज़ल पृथ्वी हुन्द कु ऊपाय
सूय रूप हावतम यथ ब्य गंगदार।
रथ पृथ्वी ब्रह्मा रथवान
सूर्य चन्द्र हगर विष्णो कान
ब्यपरमद मोरथन थि कु चोन गार।

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

हरिस्ते साहस्रं कमलबलिमाधाय पदयो
र्यदेकोने तस्मिन्निजमुदहरन्नेत्र कमलम्
गतो भक्त्युद्रेकः परिणतिमसौ चक्रवपुषा
त्रयाणां रक्षायै त्रिपुरहर जागर्ति जगताम् ॥

सदाशिवो विष्णो सहस्र पदम हस्थ मोय च्य पूज़े
स्वटिथ थोवयस मस्त पोष न्यन मारव लोग्य तमि
प्रसन गोरव तस द्योत यस मथि सूदर्शन चक्र विज़े
महिमा
ममी किन्थ सूय ज़गतस कुयि करान रारिवपाल
विज़ि विज़े ॥

क्रतौ सुसेन्यस्तवसि फलयोगे क्रतुमतां
क्व कर्म प्रध्वस्तं फलति पुरराराधनपृते
मतस्त्वां संप्रेक्ष्य क्रतुषु फलदानप्रतिभुवं
श्रुतौ श्रद्धां बद्ध्वा दृढपरिकरः कर्मसुजनः ॥

पृदा वीदृच्य यांविथ यज्ञ फलदाता गज़रिच्य
यविथ कर्म फल आशा यज्ञ दुस्त च्यनु जाह
वेद्रच्य
यज्ञ करवनीस पूर्यास च्य कर्म पूर्यास दुसन महिमा
सर्वाय कारण भगवन कूल्य शिवसेवा मसि पज़े ॥

پوش لاگ وشیش ژے بھاوکی کم گوس اخ نیتر لوگتے تی
پیل پیروون ناؤ پیوس چکرہ دار
ویہ کرس تہ یگیش پیل ژی یگیش اندتہ یگیش منز ژی

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

.१९ سدا شِوو وِشنو شہسترہ پدم ہتھ اوی ژیہ پوزے
خشیت تھووتھس اَخ پوش نیتراخ لوگنے تمہ وزے
پرسن گوخ تس دِیُو تتھس اتھ سودرشن چکرہ تہما
اِی کارن زگتس چھُو سو کران رکھپال وزِ وزے

.۲۰ شردھا وِیدج تھاوِتھ یگن پھل داتا گنزرہ ژے
تھوتھ کرمہ پھل آشا یگن روست چھنہ زاہ نیندر تہما
یگن کرہ ونین پورشن ژیہ کرمہ پورشس روست تہما
اوئے کارن بھگوان کرنِ شِوہ سیوا اسہ پزے

पोष लांग्य व्यषनन छ्य बावकी
कम गोस मरव न्यत्र लोम्नय ती
फल प्रोवुन नाव प्योस चक्रदार॥
वीदु कर्मनतू यज्ञयन फल ज़ूय
यज्ञयन मन्द तू यज्ञयस मन्ज़ ज़ूय
[illegible] छ्य मारम पार॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitized by eGangotri

क्रियाद्दक्षे दक्षयः क्रतुपतिरधीशस्तनुभृतां
मुनीनामार्त्विज्यं शरणद सदस्याः सुरगणाः
क्रतुभ्रष्टास्त्वत्तः क्रतुफलविधानव्यसनिनो
ध्रुवं कर्तुः श्रद्धाविधुरमभिचाराय हि मखाः॥

प्रजापति दक्ष यज्ञ शील सु दिहु दार्यन ज्यूट तू यज्ञमन
स्यदा यैष ब्यथि यंतदूज़ विहित यज्ञयसम्रोस दीवमन
यज्ञन फलदाता ज्यूय ज्य रूस नाश गोस ब्यसन
छु न्यश्चय हे शरनद! छुनु शृदायि ब्यनि रूस फल भाहिया बनन

प्रजानाथं नाथ प्रसभमभिकस्त्वां दुहितरं
गतं रोहिद्भूतां रिरमयिषुमृष्यस्य वपुषा
धनुष्पाणेर्यातं दिवमपि सपत्राकृतममुं
त्रसंतं तेऽद्यापि त्यजति न मृगव्याधरभसः॥

ज़गथनाथो ब्रह्मा तुन्थि शिकार रूपस ज्य स्वोज़ान
मृगी रूप कोरे पथ मृग बनिथ म्रोस सन्ना किन्य
मू कांमी व्याकुल गव भय छ्रतुय ज्यान्य ग्रहित मंहिया बूज़ान
क्र कामी युस म्रासे तमिस फल दिनु निश ज़ून पज़ान॥

دخین یگن کو شیوہ رستوی برہما ولیشنو دیو وسوتوی
پھل داتا ژی گوس سیہار
برہما کامہ بہت کو ریت گوئے کامہ کن لس پتہ روس بنیوئے
کو کرمی دراوُ ونہ چھیس تھار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۲۱. پرجاپت دخہ یگن شیل سودھ دارئن زیوٹھ تہ بنوٹن
سیٹھاریش بیپہ ریتہ دوج بہرت یگئیں آس دیوہ گن
یگن پھل داتا ژی ژیہ روست ناش گوس چھینہ مہا
چھو لشیچ ہے شرندھ! چھنہ شردھا یہ چیانہ روست پھل نہن

۲۲. جگت ناتھو! برہما وونہ شکار رولپس ژیہ خوژان
مرگی روپ کورے پت مرگ بنتھ اوس سنگہ گن بژھان
سوکامی دیا گل گوٗ بھیہ ہوتوی چیان مہا
کوکری یس آسے تمس پھل دنہ لش ژہ نہ پیژان

दक्षायन यज्ञन कुर शिव दूस्तुय
ब्रह्मा व्यष्णो दीव सुस्तुय
फल दाता ब्रूय गोस संहार।
ब्रह्मा काम् द्रुत कोरि पत गव
काम् क्रिन्य तस पत रूसति न्यव
कुकमी मोस वुन्य छ थार॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

स्वलावण्यांशा धृतधनुषमह्नाय तृणवत
पुरः प्रुष्टं दृष्ट्वा पुरमथन पुष्पायुधमपि
यदि स्त्रैणं देवी यमनिरत देहार्धघटना
दवैति त्वामद्धा बत वरद मुग्धा युवतयः॥

च्यपुर ज़ालबून्य तीवो! कुरन चू मष्टान्यायोगस ति पर
उमा हून्ज़ि सौन्द्रये धनुषदार काम भाव करून्य सर
भस्म क्वार्यस मा[illegible]र हु यि उमा ज़ानान नू महिमा
च्य मसुनून्य काथ वरदो! स्वयि च्य मासान मूउ चेस्कर॥

शमशाने क्रीडा स्मर हर पिशाचाः सहचरा
चिताभस्मालेपः स्रगपि नृकरोटीपरिकरः
अमंगल्यं शीलं तव भवतु नामैवमखिलं
तथापि स्मर्तॄणां वरद परमं मंगलमसि॥

च्य मदनान्तकू! पुंशान गिन्दन जाय प्यपान्न छियि च्यार
च्यता भस्मा मलिथून्य हटि च्य कलमाला हुयि पृन्गार
च्य वरदो! मय रूपस मपान्न मोयिय कूच माहिमा
तिमय यिम ध्यान करून्य यि रूप तिमुन्य हुय शुभ
उदार॥

کام آؤ ترطرنہ اومائے
شور گوس زونخ نہ گرجائے
تری کیا زانہ چون شوخمہ ولیوار
سپھر ہیت گندان شتشائی
بسا ملت نال کلہ مال چھی
بوہے رُوپ چون بکتین سوکھ سار
۳۸

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۲۳ تریو رزالونہ دیو وا چھک ژہ اشٹانگہ یوگس تہ پر
اوا ہنزہ سونارت دھنش دھارکام آؤ کرنہ سر
بسم کور نتس آشچر چھو یہ اوا زانان نہ ہما
چھیہ اسہ نچہ کنہ وردوا تریہ چھیہ آسان موڑ بنجر

۲۴ تریہ مدھاتکہ! شتشان گندن جائی پتاج چھیہ یار
چیتا بسما طاقئ ھدہ تریہ کلہ مالا چھیہ شرنگار
چھیہ وردوا! انت رؤپس اشوب آست کیژ رہا
تمئ یم دھیان کرہ ون یہ رؤپ تمئ آچھوی اشوبہ اودھار

काम भाव च्छल्लून्य उभाये
सूर गोस ज़ोनुरव ना ग्यरिजाये
स्त्री क्या ज़ान्य च्योन सूक्ष्म ब्रवहार
सहचर ह्यथ गिन्दान युंपानय
भस्मा मलिथ नाल्य कलु मालय
युथ रूप च्यो भक्तयन सुखसार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मनः प्रत्यक्चिते सम्यक्समाधायात्तमरुतः
प्रहृष्यद्रोमाणः प्रमदसलिलोत्संगितदृशः
यदालोक्याह्लादे हृद इव निमज्जामृतमये
दधत्यंतस्तत्त्वं किमपि यमिनस्तत्किल भवान्॥

यिम रुटमुत पाह्ह तुय च्यत्र लील हत्य क्रिख मशि बरिय
तिथी योगीधर छी पनुन आत्मा युथ त्युथ मुरिथ
हृदय आह्लादस मन्ज यथ नू नानी ज़ानि महिमा
अमृत मरू स्नाना ह्यो हुख च् परि पूरन बरिथ॥

त्वमर्कस्त्वं सोमस्त्वमसि पवनस्त्वं हुतवह
स्त्वमापस्त्वं व्योम त्वमुधरणिरात्मा त्वमिति च
परिच्छिन्नामेवं त्वयि परिणता बिभ्रतु गिरं
न विद्मस्तत्त्वं वयमिह तु यत्त्वं न भवसि॥

पृथ्वी हुख आकाश हुख जल अग्न वायो चन्द्र हुख
सूर्य हुख आत्मा हुख अष्ट तोतुकय ऐक्य मत हुख
सु हुन ब्यारव कान्ह त्रुथ युथ यथ नू आमी ज्ञानि महिमा
य्य रस्त छ्यन कान्ह जाये न न्नत्त यथ नू आसान नू मेज़ हुख

شاہ رود بیو تم چھی زانان آتمہ منزہ آتمہ روپ پرزانان
امرت سرہ کوسی امرت سار
پرتھوی وایو اگن زل چھک آکاش سوریہ چندرمہ آتما چھک
بیان چھنہ زت کانہہ زی سار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

२५ پیوُ روٹمُت شاہ چھُوی نیتر لولہ ہیت چھک اشہ برت
تتھی یوگیشور چھی پننون آتا یُتھ تیوتھ سورت
ہردے اہلادس منز یت نہ وآنی زانہ مہما
امرت سرہ سرانا ہیتو چھک ژہ پرہ پوزن تیوتھ برت

२६ پرتھوی چھک آکاش چھک جل اگن وایو چندر چھک
سوریہ چھک آتا چھک اشہ تونہ کوی ایک یت چھک
سوچھنہ بیاخ کانہہ توت یُتھ یت نہ آسی پان مہما
ژہ یہ روست چھینہ کانہہ جائے نہ توت زانان یت نہ منز چھک

प्राह ब्रुट यिमव तिम ही ज़ानान
आत्मू मन्ज़ आत्मू रूप प्रज़नावान
अमर्त सरूकाय अमर्त सार
पृथ्वी वायो जल अग्न ह्युरव
आकाश सूर्य चन्द्र आत्मा ह्युरव
ब्यारव ह्युरू तत्त्व कान्ह ह्युय
ह्युरव सार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

अ॑ तिस्रो वृत्ती स्त्रिभुवनमथो त्रीनपि सुरा-
नकारद्यैर्वर्णैस्त्रिभिरभिदधत्ती रीतिविकृति
तुरीयं ते धाम ध्वनिभिरवरुद्धानमुरसि
स्मरन्त्यस्तं त्वां परमपदमृग्यात्योमिति पदम॥

त्र्य वृत्त उदात्त अनुदात्त सुर्यत त्र्यभुवन ब्रह्म विष्ण महेश
त्र्य वर्ण अकार उकार ब्रयि मकार सुरवून्य यिम अघेश
छि रसू रसू त्र्यूर्योम थान पार्नद ! वुल्लान त्र्यान्य महिमा
इ ज्ञेय उमकार पद त्र्योन लबि तुता कसूवन्य त्र्यथि
महेश॥

भवः शर्वो रुद्रः पशुपतिरथोग्रः सहमहाँ-
स्तथा भीमे शानो विति यदभिधानाष्टकमिदम
अमुष्मिन प्रत्येकं प्रवि चरति देवः श्रुतिरपि
प्रियाया अस्मै धाम्ने प्रणिहि तनुमस्योऽस्मि भवते॥

भवः भीमो बुद्धो उग्र पार्वो प्रपापत् त् वोज़
महादीव ईशानो अष्ट नाव वीद् तेज़स सुरूप
प्रसन्ता त्र्यान्ये किन्य गुण ग्यवान वीद त्र्यान्य महिमा
नमस्कार नामू रूपस प्रपदन्त सुरूवुन युथ सुरूप॥

وژر ترے تہ ترنوئے کارن پر اومکار سورہ وون اوہ کرہ سمر
رسہ رسہ ژور یوم تھان کرہ پار
بھو بھیم رودرہ اوگر شروہ الیشان مہادیو پشوپتہ ویدک جان
بشو [illegible]

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitized by eGangotri

۲۷. تریہ ورژ اودات انو دات سوریت تربھون برہمدیش مہیش
تریہ ورن اکار۔ اوکار بیہ مکار سورونہ یم ادھیش
چھہ رسہ رسہ ژدریوم نھان شرندھہ! وچھان چیان بہا
یوپے اوکار یدچون لبت توتا کرہ ونہ مہیش

۲۸. بھوو بھیو رودرو اوگرہ شرووپشہ سروپ
مہادیو اشیانو اشٹہ ناؤ ویدہ تیبھس سروپ
پرستا چھانے کن گون گیوان وپچیان بہا
نمکار نامہ رودس لبھپ ونت سورہ ون پچھہ سروپ

वृत्त्र्ये तू च्यनूवय कारन पर
उमकार सुरवुन करि मद्दूसर
रस् रस् चोर्यूं थान कर्य क्राव
भवः भीमू रुद्र पार्व पशुपतू मान
महादीव इशान वीदुक शान
पुष्प दन्त बुकरानद्य
नमस्कार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

नमो नेदिष्टाय प्रियदव द विष्टाय च नमो
नमः क्षोदिष्टाय स्मरहर महिष्टाय च नमो
नमो वर्षिष्टाय त्रिनयन यविष्टाय च नमो
नमः सर्वस्मै ते तदिदमति सर्वाय च नमः॥

नमस्कारा बोल्ल म्योन प्रियदव! नीरदूर ति ज़्य हुरव
नमस्कारा बोल्ल म्योन स्मरहर! सूक्ष्म स्थूल ति ज़्य हुरव
नमस्कारा बोल्ल म्योन त्रिनयन! ज़ेबुड हुरव योक्के हुरव
नमस्कारा बोल्ल म्योन सर्व सर्व मूरूपी ज़्य तूमन्द हुरव

बहुलरजस विश्वोत्पत्तौ भवाय नमोनमः
प्रबलतमसे तत्संहारे हराय नमो नमः
जनसुखकृते सत्त्वोद्रिक्तौ मृडाय नमो नमः
प्रमहसि पदे निस्त्रैगुण्ये शिवाय नमो नमः॥

थ्यत्ती करूय रजोगुणाय भवु रूपु नमो नमः
संहारु कृत हुरव तमूगुणाय हरु रूप नमो नमः
सुख धाम रूप हुरव सतूगुणाय मृडु नाम नमो नमः
त्रयगुण पर हुरव त्रयस्त्रयगुणाय शिवाय नमो नमः

शेर न दूर नेबोक न बोड़ रोपिस जे
पोक न बोड़ा रूपे मेवन आसे
सरदा रूपे ज़ी पुक छोवी नसकार
क़ीमती करुन रजोगुन रूपे
तोगुन गालान हरा रूपे
पालनास्तोगुन चोनुवी कार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۲۹. نمکار ابوز میون پریہ دوہ انیر دور نہ ژی چھک
نمکار ابوز میون سمرہ ہرہ اسو خمہ سنھول روپ ژی چھک
نمکار ابوز میون ترنینہ اژی بڈہ چھک یووک چھک
نمکار ابوز میون سروہ سرو پی ژی نہ اند چھک

۳۰. تھتی کرتھہ رجو گونائی بھوہ روپہ نمو نمہ
سمہارہ کرت چھک تمو گونائی ہرہ روپہ نمو نمہ
سوکھم دھامہ روپ چھک ستو گونائی مرڑہ نامہ نمو نمہ
ترگونہ پرچھک نیسترے گونائی ژشو روپہ نمو نہ

नीरतू दूर न्यिकतू बुड रूपस जय
योवकतू बुड शिव म्योन म्रांस्यनय
सर्व रूप ज़ुय छुख छुय नमस्कार
य्यती कारूथ रज़ोमुरा रूपय
तमोमुरा मालान हर रूपय
पालान सत्तोमुरा च्योनय कार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

कृपापरिणति चेतः क्लेशवश्यं क्व चेदं
क्व च तव गुणसीमोल्लङ्घिनी पापहानिः
यदि नकितममन्दीकृत्य मां भक्तिराधाद्
वरदचरणयोस्ते वाच्य पुष्पो प्रहारम्॥

अव्यध्या असमता रागद्वीष अभिन्वीष
यिमव वातनोवुय मनस कृत म्य कल्पीष
भक्ति भावु च्याने हृत्र दूर त्रोवुम
हर्षी गोम च्य लांगिम भक्ति पोष महीष॥

कुसुमदशन नामा सर्वगन्धर्वराजः
शिशुशशधरमौलेर्देवदेवस्य दासः
सखलु निजमहिम्नो भ्रष्ट एवास्य रोषात
स्तवनमिदमाकार्षीद दिव्य दिव्य महिम्नः॥

अर्धचन्द्र दारिय शिवो भक्ति वत्सल
ज़रा क्रोध च्य मलिना बनोवुम म्य जल जल
पुष्प दन्त भक्त्या गन्धरवन हुन्दुय सर
महादीव दीवो वनान च्यान्य महिमा॥३२॥

उदेर छायेर कन वुन्म हेर कलेश बकत भावुह तरुदम हरुर महेश
हरुश कन लागे पोश शुवार
अर्धचन्द्र दारित बकत वुल पोशपन्त छोवनान करुदम तरावल
महादेव देवो लोल कन दार
रुशमत वुशन रावुम हेर मनस अनुगह चियान लगे गयाहेर तहनस
शुवी गुगे पराउन शुवह दरबार -

४६

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۳۱. اودیھیا۔ اسمتا۔ راگدلیش۔ ابنولیش
تمۂ واننووی جنس کوت میہ کلیش
بھکتہ بھاوہ چیانے ہژردور تروم
ہرش گوم ژیہ لاگم بھکت پوش ہیش

۳۲. اردہ چندرہ دآرت شوو بھکت تسل
ذرا کرودھ ژیہ ژلنا بنووم میہ جل جل
لپٹیب دنت بھکتیا گندرون ہندوی سر
مہادیوہ! دیوو ونان چیان مہا

मव्यद्यायि किन्य वोतुं म्य क्लीष
भक्ति भाव् तोवुम हचार महीष

हर्ष् किन्य तांग्मय पोष प्रूबिदार
मर्धचन्द्र दारिय भक्तिवत्सल
पुष्पदन्त कुवनान कूद चाव जल
महादीव दीवो वनान च्यांन्य महिमा॥
रूषु मत् दषूरावतम म्य "मदनांस"
मनुग्रहु च्यान्य लग्य क्या म्य यदनांस
तथ वनान प्रावुन शिवु दरबार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ॐ नमः शिवाय

शिवानन्दलहरी

श्रीशङ्कराचार्यकृत

श्रीदिव्य नारायणी

मंत्रि गोपी नाथ तपन, प्रयाग

वि: 1202

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

مانترکا روپک آد اومکار
اکھیل جگتک اوم چھوی سار

جاگرت جگتس اومکوی سروپ
بھو بھوہ ست لوک انگہ روپ
ترور پاد جگتکہ برہم آکار
پانترہ گیان پانترہ پران کرم بندیئ
امنتہ کرن ترور موکھ تس چھیئ
ولیشانر جگتک آکار
سوخمہ جگتس منز ویاپت ہنز
ست انگ کنوہ موکھ تمسند
تیزہ روپ پرکاش تیز آکار
سوشپہ منز لیس ہیہ منوش
تت اوستایہ منز سوی آسہ خوش
سوی آنندہ روپ گو اومکار
الشر سارنی سارئی الیش
انتر یامی پرآئین نیش
او تیچ کارک تہ پرلیوک نار
نہ اللہ نہ نبیر نہ دونوں منز
بیت نہ تھف بیہ نہ لیس فرہ وارہ منز
چنتن نہ لخین نہ ونس نہ وار
آتمہ دیوس ہیو امکوی سار
کلیان مئے اد ویت اومکار
پرماتما پرم برہم اومکار
ترورہ پادہ وول پرماتما چھوی
ترے مانترا یہ سان پرنوی سوی
म, उ, अ ترے پاد اوکھر
اکارہ وول ولشا سرہ روپ
ترلنہ لیس بھوگہ گیت بھوگ انوپ
زاگرت ستھول زگتک آدار
اکارہ آسہ دونوئے روپ
سوخمہ جگتس منز تیجس سروپ
نمانہ لیس پرادہ سوی موخہ دوار

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मात्रका रूपुक आद उमकार
अरब्यल जगतुक ॐ कुय सार
जाग्रत जगतस उमू कुय सरूप
भूः भवः स्वः सत लोक आगू रूप
ज़ोर पाद जगतुक ब्रह्म आकार
पान्ज़ ग्यान पान्ज़ प्रान कर्म पुन्द्रय
अन्ताह करण ज़ोर मुख तस छीय
वैश्वानर जगतुक आकार
सूक्ष्म जगतस मन्ज़ व्यप्त आमि सून्ज़
सत अन्ग कन्वुह मुख नमिसन्द
तेज़ू रूप प्रकाश तेनू आकार
सूषक मन्ज़ युस आस्य मनोष
तथ अवस्तायि मन्ज़ आसी खोष
सुथ अनन्द रूप गव उमकार
ईश्वर सारिनूय सारिकूय ईश
अन्तर्यामी प्रानियन नीश
उत्पत्तीकारक तू प्रल्युक नार
न अन्दर न ब्यबर न दूनूवन्य मन्ज़
यथ न थप थियि न युस फिरुवारि मन्ज़
च्यन्तन न लक्ष्यन न वननसनवार
आतमू देवस छो आमिकुय सार
कल्याणमय अद्वयत उमकार
परमात्म परमब्रह्म उमकार

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

مکار سو سفتہ دھ تس چھوی
پرگنیا۔ یہ ژور یوم دھ تس چھوی
زانوں کارن جگت کرہ پار
پرنوئے ادویتی پرم برہم چھوی
کلیان مئے پرماتا چھوی
پراتپر پرم برہم پورن آکار
ہلانس نتے ماتراوت ہاؤ
پرنوس بیتھ کرہ آنندہ کراؤ
ویدہ روپ سانخیات ویدہ اوکار

(۱۰)

(نوٹ) صفحہ نمبر ۵۷ میں یہ رہ گیا تھا۔ اس لیے
یہاں پر درج ہے :۔ "توآی ترادم یم یہ ساری
رٹے ادوہ شبھو" کے بعد پڑھیے

سیر سو نکوی چھوی ژرے ژریہ ماہت سون ناشبھو
دیپ بیلہ سون کانہہ ژرے سو کوتاہ دنا شبھو
ترلوکی ہند سون سو سیرج نہ نزلہ شبھو
کویر چھوی دھند سوای دیئی گژہ یہ ژریہ شبھو
دنج چھینہ کنہہ ژریہ کمی کلپ پہ کم چھو ژریہ شبھو
کامدین چنتامن رتن ڈھیر ڈد شبھو
سدھا کر چندرمہ چون ستو ڈیکہ شوبان شبھو
بوانہ کیا دھہ کیا ژرے میہ انج سن سوبان شبھو
سو رتی گژھتہ پرسن بنتہ میون بلہ شبھو

ॐ
भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाꣳसस्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः!

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ओर पाद वोल परमात्मा सूय
च्य मात्राथि सान प्रनवूय कुय
अ.उ.म. च्य पाद उमकार

अकारू वोल वैश्वानर रूप
ज़ानि युस भूग्य भूग कूय अनूप
जाग्रत स्थूल जगतुक आधार

उकार आसिथ वुनूवय रूप
सुक्ष्म जगतस मन्ज़ तेज़स मूरूप
ज़ानि युस सुय प्राबि मूख्यदखार

मकार आसिथ सुषुप्तदिह तस
प्रगन्या थि च्यसूस पाद कुय तस
ज़ानूवुन कार्णू जगतकारितार

प्रणवूय अवूयती परं ब्रह्म कुय
कल्याणमय परमात्मा सुय
परात्पर परं ब्रह्म ब्रह्माकार

"अवनास" च्य मात्रा वय हाव
प्रणवस युथ करि आनन्द क्राव
वीदू रूप साक्षात वीदउमकार॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ॐ

१. गलन्ती शम्भो! त्वच्चरित सरितः किल्बिषरजो
दलन्ती धीकुल्यासरणिषु पतन्ती विजयताम
दिशन्ती संसारभ्रमणपरितापोपशमनं
वसन्ती मच्चेतो हृदभुवि शिवानन्दलहरी॥

२. प्रभुस्त्वं दीनानां खलु परमबन्धुः पशुपते!
प्रभुरप्योऽहं तेषामपि किमुत बन्धुत्वमनयोः
त्वयैवत्वत्तन्याः शिव! मद परार्थाश्च सकलाः
प्रयत्नात् कर्तव्यं मदवनमियं बन्धुसरणिः॥

३. उपेक्षा नो चेत किं न हरसि भवद्ध्यानविमुखां
दराशाभूयिष्ठां विधिलिपिमशक्तो यदि भवान्
शिरस्तद्वैधात्रं ननु खलु सुवृत्तं पशुपते!
कथं वा निर्यत्नं करनखमुखेनैव लुलितम्॥

४. करोमि त्वत्पूजां सपदि सुखदो मे भव विभो!
विधित्वं विष्णुस्त्वं दिशसि खलु तस्याः फलमिति
पुनश्च त्वां द्रष्टुं दिवि भुवि वहन् पक्षिमृगता-
मदृष्ट्वा तत्खेदं कथमिह सहे शङ्कर विभो॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

५. करस्थे हेमाद्रौ गिरिश! निकटस्थे धनपतौ
गृहस्थे स्वर्भूजामरसुरभिचिन्तामणिगणे।
शिवः स्थे प्रीतांघ्रौ चरणयुगलस्थेऽखिलशुभे
कमर्थं दास्येहं भवतु भवदर्थं मम मनः॥

६. सारूप्यं तव पूजने शिव महा देवेति सङ्कीर्तने
सामीप्यं शिवभक्ति धुर्जनतासङ्गन्त्य सम्भाषणे
सालोक्यञ्च चराचरात्मकतनुध्याने भवानीपते!
सायुज्यं मम सिद्धमत्र भवति स्वामिन्! कृतार्थोऽस्म्यहम्॥

७. नालं वापरमोपकारकमिदं त्वेकं पशूनां पते!
पशायन कुक्षिगतांश्चराचर गणान् बाह्यस्थितान्
सर्वामर्त्य पलायनौषधमति ज्वालाकरं भीकरं
निष्क्रिसं गरलं गले न गिलितं नोद्गीर्णमेव त्वया॥

८. जडता पशुता कलाङ्कता कटिलत्वं च नास्ति मयि देव
अस्ति यदि राजमौले, भवदाभरणस्य नास्मि किं पात्रम्

९. अरहसि रहसि स्वतन्त्रबुद्ध्या वरिवसितुं सुलभः प्रसन्नमूर्तिः
अगणितफलदायकः प्रभुर्मे जगदधिको हृदि राजशेखरोऽस्ति॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

२०. नित्यं योगिमनः सरोज दलस्थानारक्षमस्त्वत्क्रमः
शम्भो तत्रैकथं कठोरयमराडवक्षः कवाटक्षतिः ।
अत्यन्तं मृदुलं त्वदङ्घ्रियुगलं हा। मे मनश्चिन्तय-
त्यतल्लोचनगोचरं कुरुविभो! हस्तेन संवाहये॥

२१. पेष्यत्येष जनिं मनोऽस्य कठिनं तस्मिन्नटानीति मद-
रक्षायै गिरिसीम्नि कोमल पदन्यासः पुराऽभ्यासितः
नो चेद्दिव्यगृहान्तरेषु सुमनस्तल्पेषु वेद्यादिषु
प्रायः सत्सु शिलातलेषु नटनं शम्भो! किमर्थं तव॥

२२. भाजनं फणी कलापो वसनं चर्म च वाहनं महोक्षः
ममदास्यसि किं किमस्ति शम्भोः
तव पादाम्बुजभक्तिमेव देहि॥

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

شوہ چھک کلیان کوش یوگہ نرلہ شمبو
انوگر کرتھ ے یار پادکملہ شمبو

۱. شوانند لہراخ ذرھ چرنرہ سرہ چیانہ شمبو پاپن چھلان ناوان تمکے پانہ شمبو
ہردیس سمن میانس بودھی کولہ کولہ شمبو

۲. پشوپتہ دینا ناتھ ژہ پورن پور شمبو بوزین ہند سردار سمیا یہ سان چھوشمبو
بندھو گوسوی رچھ یس دین ناشہ تلہ شمبو

کیا خیا کرخنا ژی اپراون میہ شمبو بھوہ سرہ نارخنا آوش تارخ میہ شمبو
نتہ چیوت ہنتہ چھوی وتہ ژیہ پامن تلہ شمبو

۳. کران چھکنہ میون اودھار لیو چھکنہ میون شمبو میہ بوزان چھکنہ آو نہ کن چھوی چیون شمبو
نتے گوہ آسیم یہ حال وچھت موزلہ شمبو

ونخ یدبھایہ لیو خنی ویداتن یہ ژے شمبو تو آئی کن دھیان کرتھ ہیکیے نوچون شمبو
پژرھے سامرتھ چھینایہ ناہون تلہ شمبو

ژیہ چھینایوت سامرتھ تلم فرنگ میہ شمبو برہاولش بیلہ چھی گزان سامگری شمبو
وتو کیتھ برہماہس لش ژیہ نو پیش چلہ شمبو

ژلوتھ لن ہانتزم موخ کرتھ کوپ کنہ شمبو تو آی رود برہماحی ژلور موخ تنہ شمبو
اوے کن نو مانیے نہ زاہ دون ڈلہ شمبو

ژہ تراوکنھ یمہ ونے بوبوزے نہ کنہ شمبو یے نو فرس منز ژہ اودھار کرمیہ شمبو
نہ یمہ دھوکھس تہ تراوت یو زینت ڈلہ شمبو

۴. پربھو چھس پوزا پھل منگان ژے لی شمبو چرن کل دوتھو دیش بیون ہی شمبو
[illegible]

CC-0 Books from Pungola Shopian. Digitized by eGangotri

برہما وشنو نہ ژھاران چرن چیان ہی ہیو
یمو نو یاد چیان لب لگن کت میہ ہی شبو
توآی نزاوم میہ ساری رٹے پاد وولہ شبو

۴ سارو رپ سایح سالوک سامیپی ژھ شبو
ژہ نوئے چھنہ یژھان کرپا چھیم موخ شبو
سالوک آنند دھام بوشوہ منگلہ شبو

ناو چون سمرتھ پرو وساحیپ سوکھ میہ شبو
شوہ بھکتین منز سوکھ کیرتن میہ شبو
سارو رپ سوکھ میہ وچھیے پوزا وولہ شبو

ویراٹ رو رپ ڈلیت چون بوچھہ بیتیون پانہ شبو
وچھم پان ژے منز سے نہ سایح زانہ شبو
یہ پان سوکھ لبان سوبوخ سکلہ شبو

رٹت انغ موخ ژون منز سوموخ چھیہ سوکھ نہ شبو
موخہ لش تھز چھیہ پوزا دھیان چون رپ میہ شبو
توآی موخی پدچھوی بھکتی تلہ شبو

۵ لشوپنہ لیکالہ کوٹلی وش سندرہ دراؤ نا شبو
زالنہ لوگ چراچر وتھ ہاہاکار شبو
دیا ساگرہ آچمنہ اکی گو آبار شبو

مکھاس منز سیتہ ادی گیا ہر ہلڈ ہادہ شبو
وودرس منز گنڈ تھ لیس چھوژیہ اکہ زرہ شبو
بس ہش منز گورتھ بدگوی نیلہ گلہ شبو

جے جے کار چھوی ژے بوتہ پاون شبو
شتے رچھ میون ہرے تھوتھ پادن شبو
تمی سیت بنہ شانتی ہے نشکلہ شبو

۶ چھنہ لش نہ کلنکی موکھ نہ جرٹہ شبو
چندرہ شیکھر ہے ہرہ وکیرہ گت چھنہ شبو
ادہ کونہ کرپا تھک کرالن اٹلہ شبو

یوسے وخ ورگن چھیس بوہن ہن شبو
جرٹ رپ گنگا چھے پانس جٹن شبو
یانہ تھک رٹت مرگ ژی سوچھوی چنچلہ شبو

ڈیکہ چھوی چندر سیر زلان کلنکی توچھو شبو
واسک ژیہ ہیٹے ہارو کیرہ گت سوچھو شبو
میہ دونو نہ منز ادیکار خوتم کیا ہلہ شبو

دونوئے ونہ تھومے پرو تھہ کہ ہرہ شبو
ملوخہ انگن سیت نہ پادن ورہ شبو
تی رٹ لی چھم جان کرپا نشکلہ شبو

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

۷۔ سامانہ راجن ہیو رابہ چھنہ موت شمبو ہُنہ بیتہ پرتہ گنہ جابہ پورت ہیکون شمبو
وقتچہ نہ کانہہ گنڈتی نہ کانہہ گانگلہ شمبو
راجن میہ پرزن چھم ژیہ تو پرزن میہ شمبو راجن میہ خوژن چھم ژیہ نا خوژن میہ شمبو
راجن میہ ہیوان اوسژیہ نش نہ کانہہ ولہ شمبو

۸ بیم پادِ کل چان یوگین منس شمبو تموسیت لت لابت ژیہ بیمراجس شمبو
کٹھور کوت وچھ چھوی تس ژیہ پادکولہ شمبو
لوگنج ماسنیو خما کنہہ زرخ منز للہ شمبو تمے پادداس میہ ژہ دنہ ادہ قولہ شمبو
دمیخ فنش للہ ناو خمرد بوزجل وولہ شمبو

۹ میہ بوزنہ وورعادت کورتھ پانے ژیہ شمبو ژیہ بیمراجنہ پادن لوگوی ژولتھ ژیہ شمبو
نہ ژولت ہیہ اخ داس جنم رٹہ پاد للہ شمبو
تس ماکٹھور آسہ من ژیہ پادن مالگہ شمبو تو آی درہ راوت پادمیہ ماپتہ لگہ شمبو
دیا شیل ساگر چھک ژہ نراوت نہ ژلہ شمبو

۱۰ منگئے کیا ژہ دخ کیا مے ژیہ چھوی کیا ہرہ شمبو دھنور ژایان چھک ژری خیوان زہرہ شمبو
منش خیبہ مرہ۔ یدچہ موگژھ پاگلہ شمبو
خنیس کیوت منگہ کس کیا ژہ دخ کیا ہرہ شمبو ژیہ وستر چھوی نہ کانہہ نال ژہ دیگمبرہ شمبو
وتون کنہہ بوزن نہ کنہہ نہ کانہہ گاگلہ شمبو

اران ہیہ کانہہ ژری نش وچھی ننگہ منت شمبو مرگ ژرم تھوخ لنگوٹ ژہ ہیلہ شرم ہوت شمبو
یاروزخ ننگہ انگ پکان جنگلہ شمبو
نال سرپ مالا چھئے وشب واہن شمبو منگت دخ کیا چھوی ژرے بو پادگار شمبو
تمے پادہر دیس بورئے منزلہ شمبو

پراران پراران بو نمکس ژھاران شمبو نھاران بو چھس پراران دھیان دھاران
مدنو مالنی ژٹ مدھن ہانطہ شمبو

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

शिव हुन यू कल्याण कूप यौ निर्मल शम्भो
अनुग्रह करिय म्य नाद नाद कमल शम्भो

१. शिवानन्द लहर अरव वक्त्र चर्न सरू यान्य शम्भो
पापन ह्यलान नावान तमिकै पानि शम्भो
हृदयस सयिन म्यानिसबुद्धी कुलि कुल शम्भो

२. पशुपत दीना नाथ यू पूर्ण पूर शम्भो
बू दीनन हुन्द सरदार स्यायि सांत ज्यूर शम्भो
नन्दो गव सुय रछि युस दीन नाथ तल शम्भो
क्या क्षयमा कारखना चूय अपराधन म्य शम्भो
भव सरू तारखना? अवष तारखव म्य शम्भो
नत् च्यूत बनिथ लगी वटू च्य पामन तलू शम्भो

३ करान हुकना म्योन उदार नन्यव हुकना म्योन शम्भो
म्य बोज़ान हुकना आलव न यौर कन च्योन शम्भो
नतांय कवू आस्थम थि हाल बुद्धिथ मो तल शम्भो
वनरव युठ बायि लूरखनय ति धातन थि च्य शम्भो
तवांय किन्य ध्यान करिय यूय ह्यकरवनो च्योन शम्भो
प्रछुम सामर्थ हुयना ति नाहचुन तल शम्भो
म्य हुयना यूत सामर्थ कलम फिरनुक च्य शम्भो
ब्रह्मा व्यप्रा यलि छी गिन्दन सामग्री च्य शम्भो
वनव क्यथू ब्रह्मा हरा निप च्य नो येप्प चलव शम्भो
अट्टथ तम पान्नम मुख करिथ कूप कन् शम्भो
तवांय रुद्र ब्रह्माजी अतर मुख तन् शम्भो
अवांय किन्य नो बू मानय न बूय ज़ाहउर शम्भो

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

ज़ ज़ाव थिमू कयू वनन्ये लु नो बोजाय छ्य शम्भो
थिमय नो फेरस मन्ज़ ज़ू उदार कर मय शम्भो
न तावय टोरवस थिमू बु ज़ीनिय हल् शम्भो

४ प्रबू कुस पूज़ा फल मन्गान यी छ्ये शम्भो
चरनू कमल् मो यव म्य निश ज्योन ही शम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु तावरव छ्य माटन ना उल् शम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु ते ह्लारान चरण छ्यान ही शम्भो
थिमव नो पाट छ्यान लवि लगन कथ म्य ही शम्भो
तवायतावि म्य सारी रटय पाट बुल् शम्भो

५ समीर सुन्कुय कुय छ्ये छ्य हाजत सुनना शम्भो
दियो युद सुन कान्ह मु कोला दिना शम्भो
त्रलोकी हुन्द सुन सोर समीरुच्य ना वुल् शम्भो
कबीर हुय टनू सामी दियी गछ्हि यि छ्य शम्भो
टनू छ्य छ्यनू वयन्ह छ्य कामी कुप वुक्ष कुस शम्भो
कामदीन-चिन्तामन-रत्नू डेर उल् शम्भो

६ सायुज, सारूप, सालोक, सामीप मूक्ष शम्भो
बुनवय कुमना यच्छान छ्यम कृपा मूक्ष शम्भो
सारूप मूक्ष बुकमय पूज़ायि वुल् शम्भो
नाव छ्योन सुमरिथ म्रोव सामीप सुख म्य शम्भो
शिवू भक्तियन मन्ज़ म्ये सुख कीर्तन शम्भो
सालोक म्रानन्द धाम बु शिवू मङ्गल शम्भो
व्यराट रूप डीषिथ म्ये बु कुमना पानू ब्यून शम्भो
पान म्ये कुम ज़े मन्ज़ ति सायुज मूक्ष शम्भो
यि पान कुन सुख लवान ती सकल मूक्ष शम्भो
रटिथ म्रख मूख ज़न मन्ज़ सु मूरन छ्यम सुख म्य शम्भो

CC-0 Books from Pirzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

मृत्युनिश यंत्र छ्य पूज़ा ध्यान चोन ज़प म्य शम्भो
तवांय मूक्षी पद कुय भक्ती तत्र शम्भो

८ पशुपति कालकूट विष मूदरू द्राव नार शम्भो
ज़ाल्य खगङ्गतस ब्रुय हा हाकार शम्भो
दयासागर आज़मन्य अकी मवसार शम्भो
मूखस मन्ज़ प्यथ अोय ग्यान ब्रह्मान्ड मा दज़ि शम्भो
उदरस मन्ज़ गन्डिथ युस कुच्य अकि राज़ि शम्भो
वस हटिस मन्ज़ कुरुथ वन्द तवांय नीलगल शम्भो
जय जयकार कुय च्ये भूत भावन शम्भो
तिथय रह म्योन हृदय थविथ पादन शम्भो
तमी सूत्य बनि शान्ती हे न्यश्कल शम्भो

९ कुसना पूष ना क्लान्की मूर्ख ना जड ना शम्भो
चन्द्रशेखर हे हरू! व्यक्रगत कुसना शम्भो
अदू कोन कृपा कुरव करान अटल शम्भो
युदवय वनरल दुरगुरा कुस ब्रु हन हव शम्भो
जड़ रूप गंगा छ्य पानस ज्यटम शम्भो
पानू कुरव रटिथ मृग ब्रूय सुय चन्चल शम्भो
ज्यनि कुय चन्द्र शूवान क्लान्की सु कु शम्भो
वासुकच्य हटे हार न्यक्रगव सु कु शम्भो
म्य दुनवून्य मन्ज़ अधिकार सुतुम क्या मतु शम्भो
दुनवय वत थविमय ओन्ह कन्य हर शम्भो
मिवरव ना अनान मन्ज़ नू पादन वरू शम्भो
ती रत ती दुम जान कृपा न्यप्कल शम्भो

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

९ सामान्य राजन ह्यू कुनू वानू सीन प्रम्यो
हुति यति तू प्रथे कुन्य जाथि मुक्ति ह्यकोन प्रम्यो
वकतूच न कान्ह गाखिनी न कान्ह मङ्गल प्रम्यो
राजन म्य प्रोसुन कुम च्य न प्रोसुन म्य प्रम्यो
राजन म्य रवोजुन कुम च्य न रवोजुन म्य प्रम्यो
राजन म्य लुयुन अनसुन च्य निंब न कान्ह वू प्रम्यो
१० यिम पाद कमल ध्यान युगियन मनस प्रम्यो
तिमव सूत्य लय लोयिय च्य यमराजस च्य शम्यो
कठोर कूत वद कुय तस च्य पाद कोमल प्रम्यो
लुगुरव मा सन्योरवमा वयन्ह रटरव मन्ज लुलि प्रम्यो
तिमय पाद दासस म्ये ब्रू दिसू सदू फुल् प्रम्यो
दिमरव फष ललूनावरव चू बोज़ जलबूल् प्रम्यो
११ म्य बूज़ुन नूवोर आदत कुयुय पानय च्य शम्यो
च्य यमराजुन्य पादन लुगुय ज़ोलुय च्य शम्यो
ति ज़ोलुय ह्यथि अरव दास ज़न्म राटि पाद लुलि
तमिस मा कठोर आसि मन च्य पादन मालगि प्रम्यो
तवाय दूरोविय पाद म्य मा पतू लगि प्रम्यो
दया शील सागर कुरव चू तोविय ना ज़ल् शम्यो
मनगय क्या दिरव क्या म्ये च्य कुय क्या हरू प्रम्यो
दतुर ज़ापान कुस ह्यूय रव्यवान ज़हरू प्रम्यो
मनुष रव्यथि मारि युत जचि मु गक्लि पागल् प्रम्यो
रव्यनस क्यित मन्यि कुम क्या चू दिरव क्या हरू शम्यो
च्य वस्तूर कुय ना कान्ह नोल्य चू देगंबर शम्यो
वनुन वयन्ह बोज़ुन म वयन्ह न कान्ह गांगल शम्यो
अज़ान यिथि कान्ह च्य निश बुद्धी नन्या मुत सन्यास
मृगू ज़म थवरव लन्गोट चू पार्म हून्दि पास शम्यो
या रोज़रव अनना पकान जनगल् प्रम्यो
नान्य [illegible]
मन्गिय दिरव क्या कुय च्ये ब्रू पाद गारनू प्रम्यो

CC-0. Books from Pinzoo & Shopland. Digitized by eGangotri

ॐ
तिमिर पाद हृदयस ब्र रदय मन्दाल्य पाम्यो ॥
प्रान प्रान ब्र युकुस ज्ञानान पाम्यो
थान ब्र कुस प्रान ध्यान दारान पाम्यो
मदनो "मदनह" चह मदन्य हाम्यह पाम्यो

خیاپوش

سدا شوہ وانسیے پیٹھ کیا ژیہ روش چھا
اگوتے نیلہ کنٹھ کر خیامہ کر خیا

زان آسن زونو چھک ژہ رنگت زان کار
بھم میہ پیوم اگیا نوی تم میہ نزہ ہریم نودار
بھوتہ بھنجن سے نرنجن گیانہ دیک کر خیا

ہول ناری ناج سوپنہ دت چھم چھوی اپرنیہ
نوتوی نوٗ وار پہ دوم اپزہ کوی چھم گھرہ نہ بار
بھکتہ بھنجن پرمیہ رنجن شانت زوپے کر خیا

بھای نہ بھاندو ٹاٹھ میانی زان نہ زانی وقت کار
مائی شیرت ژ لوکٹ چھم اتھ ونان موہ سمار
دین چھس رچھنے میہ خیا دینہ وتل کر خیا

دھرم ادھرتک چھو نگت بودتی منزہ لوٹھ میہ چار
کرمہ کیو کرتو روٹس کر کر سیو سو بودٹ انبار
چھت کریازی اکرتا پریہ ورتا کر خیا

پرہ پوزن پرہ پدچھک پرہ لیشر ونیو دار
پرہ دھام پرماتما چھک پرہ گت چھک پرہ پار
پرہ شیو وشوہ ناو چونوی پرہ سنار کر خیا

شوار ھر چھک برشبہ واہن ناڈ ڈاہر وائیون
سوہ تنڈ کیا نور چھوی ژے پوزنہ لہ سرس گرہون
چندرہ شیکھر نال وانگ داسے پیٹھ کر خیا

پوش لگے یم ژیہ یندرے دھوپ زالے پان پتون
پانژوئے یم پران پنی آہتی ہیمہ آلوون
پھل نہ پتول میون آتما چھوی ژی کر پاژری خیا

زنہ نے زنم دارتہ زنگوی میہ چھنہ ونون
زنمتی منزہ یاد کلمن ہند گزیھم دیون دھیان
سدا شوہ جے پرہ شوہ جے او اشوہ کر خیا

پنون

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri

६४

क्षमा पोष

जय सदाशिव दासमूय प्यटक्याय रोशुन छा नवा
हे महोरय नीलकण्ठय कर क्षमा म्य कर क्षमा

नान मासिय ज़ोनमस्वनो छुरव ज़ू ज़गतुक ज़ानकार
वथि म्य प्योन मग्यानकुय बर तमि म्य ज़ुपरीम नवदार
पूत मन्जन हे निरञ्जन ग्यानू दीपवा कर क्षमा ॥
मोन तांय मोन सुपनू वथ छिम छुय मपुज़ यति व्यवहार
वुन ज़ुनुय नवदार प्रोवुम मपूज़िकुय यति संसार
दीन छुस रछने म्य थिरवना दीनू वत्सल कर क्षमा
धर्म मधर्मुक छु ज़ुगमुत योद तमी मद्यू ज़ुद व्यखार
कर्मक्यव कर्मव ज़ुटुम कर्य कर्य सत्यव सुय ज़ुउमन्बार
छुरदस कर्ता ज़ुय मकर्ता प्रयमवर्ता कर क्षमा
परम पूज़न परम पद छुख परम ईश्वर व्यक्षदार
परम धाम परमात्मा छुख परम गत छुख परम पार
परम शिव पाद नाव च्योनुय परम सुन्द्र कर क्षमा
पूलूदर छुरव वष्णू वाहन नाद डाबूर वाय वोन
सूर नानि क्या नूर छुय च्ये पूर ज़ालि सूर्यस गृहोन
चन्द्रशीखर नांल्य वासुक दास स्य पाठ कर क्षमा
पोष लाग्य थि च्य फन्द्रय धूप ज़ाल्य पान पनोन
पान्च्वय थिम प्रान पलनी मारव्यतूय ग्रामू मालवोन
फल तू फूल म्योन मात्मा छुय ज़ूय कृपा कर ज़ूय क्षमा
ज़न्मू ज़न्मांय ज़न्मकुय कान्ह छुनू वनोन
ज़न्मतूय मन्ज़ पादू कमलन छुन्ह गछ्छुयम वियून ध्यान पनोन
जय सदाशिव जय परम शिव हे उमा शिव कर क्षमा॥

ॐ नमः शिवाय

सेवक

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitized by eGangotri

५१

गणपतिप्रस्तुति

प्रष्टू स्यदियन हून्दि गणपत ईथो
मनू दूशरावतम ह्यति कीशो
व्यघ्नहर्ता कुरव कुरव वीदप्रोमकार ज़पू यज्ञ हूम च्योन गुड़ साहकार
प्रदू कामना बनि ह्यनि क्लीशो
गणनायक् मन्नायक् सुन्दरो उलूबायि सूत्य कुरव प्यह किन्दरो
रक्त वर्ण धूम्र वर्ण बालचन्द्र ईथो
एकदन्तू ताजस हुंया बालसुन्दरो गन्दरो नाल्य नागुक हून्ज़रो
प्रथि ह्यथ वरप्रभय मरव पदम ईथो
नाल्य मालू जामू सुर्गुन्य छो गन्डिथूय वीदूवत वीदतत्त्व हुस पन्डिथूय
ब्यन्दू कूयकन्द कुरव कुरव प्रनम ईथो
उलूबायि मायि सूत्य बर्या लोलू खांसी मूषाकू वाहनू तस ग्रू मनू वांसी
कास्तं व्यघ्र युथना रोज़्यं कयन्दलीथो
व्यघ्नहर्ता ग्रूय व्यघ्रुक क्षौय कुरव पैय कुरव योगियन योगू जय कुरव
आदिदीव स्यदिदाता गणीशो
उमायि हुन्द कुरव यक्षायि सन्तान मूलाधार् ग्रुवनरव डीडवान
पूज़ान तति छी दीव दीव ईथो
प्रयग् ममू लोल् लासू हाषय धूपदीप हावान ग्रूय कुरव शिव शक्ति रूप
सायुन्य पद दितू शिव सुन्द ईथो
शिवजी सून्दिटठि व्यघ्रनिवारो यमि भवू सर् मन्ज़ दितू तारो
"नदूनाम करदया दयाप्रदीथो॥

मिलने का पता:— पण्डित गोपी नाथ सप्रू, आनन्द मठ, श्रीनगर

CC-0 Books from Pinzoora Shopian. Digitzed by eGangotri